

# भारत में रूई प्रमाण बढ़ा

नई दिल्ली। फसल सीजन 2014-15 के लिए रूई वायदा की शुरुआत एमसीएक्स द्वारा अक्टूबर 2014 में किया गया था और सोहनलाल कमोडिटी मैनेजमेंट प्रा. लि. (एसएलसीएम) को अखिल भारतीय स्तर पर इसके लिए वेयर हाउस सर्विस प्रोवाइडर (डब्ल्यूएसपी) होने की जिम्मेदारी दी गई थी। वेयर हाउसिंग में एसएलसीएम के अच्छे अनुभवों और साथ ही इसके प्रोफेशनल अभिगम और आने वाली कमोडिटी की निश्चित गुणवत्ता के लिए कठोर प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए एमसीएक्स ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी। इसमें मौजूदा सीजन के दौरान कुल 1.60 लाख गांठ रूई डिपॉजिट की गई, जो विगत तीन वर्षों के दौरान औसतन डिपॉजिट 1.08 लाख गांठ की तुलना में बहुत अधिक है, पहले अनुबंध से ही माल का आना शुरू हो गया और हर महीना बीतने के साथ इसका प्रमाण बढ़ता रहा है। आने वाले सभी माल को त्रुटिहीन पेशेवराना ढंग से लिया गया और कमोडिटी पर पूरा ध्यान दिया गया।

जैसे ही अनुबंध पुराना होता गया अधिक से अधिक डिपॉजिटर्स / बायर्स ने इसमें भाग लेना शुरू किया, इसके फलस्वरूप एक्सचेंज पर मात्रा और तरलता में भरपूर वृद्धि हुई। समूह ने मात्रा और उसकी गुणवत्ता अक्षुण्ण रखने के लिए कठोर ऑडिटिंग प्रक्रिया को अमल में लाया, कमोडिटी की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए उचित ध्यान रखा गया, हमारे सामान्य आंतरिक ऑडिट के साथ निगरानी के लिए नियमित निरीक्षण किया गया। प्रख्यात पार्टियों जैसे कि इंडेलविस कमोडिटीज, भद्रेश ट्रेडिंग, शेट ब्रदर्स ने एक्सचेंज प्लेटफार्म पर अच्छे प्रमाण में रूई जमा कराये। ऐसे प्रख्यात संस्थानों की भागीदारी एसएलसीएम समूह जैसे डब्ल्यूएसपी के पूरे कार्य की प्रशंसा का स्वयं एक प्रमाणपत्र है।

## भारतात कापसाच्या व्हॉल्युमला चालना

मुंबई - एमसीएक्सने ऑक्टोबर २०१४ मध्ये, २०१४-१५ या नव्या पीक हंगामासाठीच्या कॉटन कॉन्ट्रॅक्टना सुरुवात केली आहे. यासाठी भारतभर वेअरहाउस सर्व्हिस प्रोव्हायडर (डब्ल्यूएसपी) म्हणून सोहनलाल कमोडिटी मॅनेजमेंट प्रा.लि.कडे (एसएलसीएम) जबाबदारी देण्यात आली आहे. एसएलसीएमचा वेअरहाउसिंगमधील समृद्ध अनुभव, व्यावसायिक दृष्टिकोन, तसेच इनवर्ड कमोडिटीसाठी गुणवत्तेबाबत कठोर प्रक्रिया लक्षात घेत, एमसीएक्सने हा निर्णय घेतला.

# एसएलसीएम को मिली डब्ल्यूएसपी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। कृषि लॉजिस्टिक्स समूह सोहनलाल कमोडिटी मैनेजमेंट प्रा. लि. (एसएलसीएम) को एमसीएक्स की ओर से रूई वायदा के लिए अखिल भारतीय स्तर पर वेयर हाउस सर्विस प्रोवाइडर (डब्ल्यूएसपी) होने की जिम्मेदारी दी गई थी। वेयर हाउसिंग में एसएलसीएम के अच्छे अनुभवों और साथ ही इसके प्रोफेशनल अभिगम और आने वाली कमोडिटी की निश्चित गुणवत्ता के लिए कठोर प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए एमसीएक्स ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी। मौजूदा सीजन के दौरान कुल 1.60 लाख गांठ रूई डिपॉजिट की गई, जो विगत तीन वर्षों के दौरान औसतन डिपॉजिट 1.08 लाख गांठ की तुलना में बहुत अधिक है।

# रुई डिपॉजिट में इजाफा

एजेंसी/नवज्योति, नई दिल्ली

नई फसल सीजन 2014-15 के लिए रुई वायदा की शुरुआत एमसीएक्स द्वारा अक्टूबर 2014 में किया गया था और सोहनलाल कमोडिटी मैनेजमेंट प्रा. लि. (एसएलसीएम) को अखिल भारतीय स्तर पर इसके लिए वेयर हाउस सर्विस प्रोवाइडर (डब्ल्यूएसपी) होने की जिम्मेदारी दी गई थी। पहले अनुबंध से ही माल का आना शुरू हो गया और हर महीना बीतने के साथ इसका प्रमाण बढ़ता रहा है। मौजूदा सीजन के दौरान कुल 1.60 लाख गांठ रुई डिपॉजिट की गई, जो विगत तीन वर्षों के दौरान औसतन डिपॉजिट 1.08 लाख गांठ की तुलना में बहुत अधिक है, दूसरे शब्दों में यह पूर्व वर्ष की तुलना में 50 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि दर्शाता है। इसने कॉटन और स्पिनिंग उद्योग को एमसीएक्स कॉटन अनुबंध का भाग होने के लिए विश्वास जगाया है, जो सबसे अच्छा संभावित तरीका है क्योंकि आने वाले समय में मात्रा में कई गुना वृद्धि की संभावना है।



## भारत में कपास की मात्रा में विस्तार

जयपुर। नई फसल सीजन 2014-15 के लिए रूई वायदा की शुरूआत एमसीएक्स द्वारा अक्टूबर 2014 में किया गया था और सोहनलाल कमोडिटी मैनेजमेंट प्रा. लि. (एसएलसीएम) को अखिल भारतीय स्तर पर इसके लिए वेयरहाउस सर्विस प्रोवाइडर (डब्ल्यूएसपी) होने की जिम्मेदारी दी गई थी। वेयरहाउसिंग में एसएलसीएम के अच्छे अनुभवों और साथ ही इसके प्रफेशनल अभिगम और आने वाली कमोडिटी की निश्चित गुणवत्ता के लिए कठोर प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए एमसीएक्स ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी। मौजूदा सीजन के दौरान कुल 1.60 लाख गांठ रूई डिपॉजिट की गई, जो विगत तीन वर्षों के दौरान औसतन डिपॉजिट 1.08 लाख गांठ की तुलना में बहुत अधिक है, दूसरे शब्दों में यह पूर्व वर्ष की तुलना में 50 फीसदी की जबरदस्त वृद्धि दर्शाता है।

# एसएलसीएम को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली @ पत्रिका . कृषि लॉजिस्टिक्स समूह सोहनलाल कमोडिटी मैनेजमेंट प्रा. लि. (एसएलसीएम) को एमसीएक्स की ओर से रूई वायदा के लिए अखिल भारतीय स्तर पर वेयर हाउस सर्विस प्रोवाइडर

(डब्ल्यूएसपी) होने की जिम्मेदारी दी गई थी। वेयर हाउसिंग में एसएलसीएम के अच्छे अनुभवों को ध्यान में रखते हुए एमसीएक्स ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी। मौजूदा सीजन के दौरान कुल 1.60 लाख गांठ रूई डिपॉजिट की गई।

# भारतात कापसाच्या व्हॉल्युमला चालना

मुंबई, प्रतिनिधी

एमसीएक्सने ऑक्टोबर २०१४ मध्ये, २०१४-१५ या नव्या पीक हंगामासाठीच्या कॉटन कॉन्ट्रॅक्टना सुरुवात केली आणि यासाठी भारतभर वेअरहाउस सर्व्हिस प्रोव्हायडर (इब्ल्यूएसपी) म्हणून सोहन लाल कमोडिटी मॅनेजमेंट प्रा. लि.कडे (एसएलसीएम) जबाबदारी देण्यात आली आहे. एसएलसीएमचा वेअरहाउसिंगमधील समृद्ध अनुभव, व्यावसायिक दृष्टिकोन, तसेच इनवर्स कमोडिटीसाठी गुणवत्तेबाबत कठोर प्रक्रिया लक्षात घेत, एमसीएक्सने हा निर्णय घेतला.

अगदी पहिल्या कॉन्ट्रॅक्टपासून इनवर्सला सुरुवात झाली आणि प्रत्येक महिन्याला प्रमाणात वाढ होऊ लागली, सर्व इनवर्सची प्रक्रिया अतिशय व्यावसायिक पद्धतीने करण्यात आली आणि कमोडिटीला योग्य ते महत्त्व देण्यात आले.

करण जुना झाला की, अधिकाधिक डिपॉझिटर / ग्राहकांनी सहभागी होण्यास सुरुवात केली व परिणामी एक्स्चेंजमध्ये व्हॉल्युम



## AGRI REACH

व रोखता यामध्ये लक्षणीय वाढ झाली. गुणवत्ता व प्रमाण अचूक राखण्यासाठी समूहाने कठोर ऑडिटिंग प्रक्रिया राबवली. कमोडिटीची संवेदनशीलता विचारात घेऊन योग्य काळजी घेण्यात आली. इंटरनल ऑडिटसह, नियमित तपासणी घेण्यात आली.

एडलविस कमोडिटीज, भद्रेश ट्रेडिंग, शेठ ब्रदर्स अशा नामवंत पक्षांनी एक्स्चेंजमध्ये मोठ्या प्रमाणात कापूस जमा केला आहे. अशा प्रतिष्ठित संस्थांचा सहभाग म्हणजे एसएलसीएम समूहासारख्या इब्ल्यूएसपीच्या एकंदर कार्याला दिलेली पसंतीची पावती आहे.

ग्राहकांचा पाठिंबा असेल तरच कोणतेही कंत्राट यशस्वी होते, कारण कंत्राट केवळ साठा करणाऱ्यांवर आधारित राहून यशस्वी होऊ शकत

नाही. इब्ल्यूएसपीच्या क्रेडिटने, तयाल सन्स, स्पोर्ट्सकिंग, एलडी कमोडिटीज, रीडनहार्ट, एएनएस प्रा. लि. अशा अनेक नामवंत स्पिनर्स/ट्रेडर्स एक्स्चेंजकडून डिलेव्हरी घेतात आणि विविध शहरांत डिलेव्हरी दिल्या जात असलेल्या दर्जेदार कापसाबाबत समाधानी आहेत.

सध्याच्या हंगामात एकूण १.६० लाखांहून अधिक बॅल्सचा साठा करण्यात आला. हे प्रमाण गेल्या तीन वर्षांत साठा करण्यात आलेल्या सरासरी १.०८ लाख बॅल्सपेक्षा बरेच जास्त आहे. अगोदरच्या काळाच्या तुलनेत ही वाढ ५० टक्के आहे. कापूस उत्पादक इब्ल्यूएसपीच्या क्षमतांबाबत सकारात्मक असल्याने हे घडले आहे.

शक्य त्या चांगल्या पद्धतीने एमसीएक्स कॉटन कॉन्ट्रॅटचा भाग बनण्याचा आत्मविश्वास यामुळे कापूस व स्पिनिंग क्षेत्राला मिळाला असून येत्या काळात व्हॉल्युममध्ये अनेक पर्तींनी वाढ होण्याची अपेक्षा आहे.

## SLCM Driving Cotton Volumes In India

Cotton contracts for the new crop season 2014-15 was started by MCX in October'14 and Sohan Lal Commodity Management Pvt Ltd (SLCM) was assigned the responsibility of being the Warehouse Service Provider (WSP) for the same pan India. This was done by MCX keeping in mind the rich experience of SLCM in warehousing along with the professional approach and strict procedures to ascertain quality of inward commodity. Inward started right from the first contract and volume started picking up with each passing month. All the inwards were taken with impeccable professionalism and due importance was given to the commodity. As the contract grew older, more and more depositors/buyers started participating, resulting in substantial increase in the volumes and liquidity on exchange.

# भारतात कापसाच्या व्हॉल्यूमला चालना

■ मुंबई : एमसीएक्सने २०१४-१५ या नव्या पीक हंगामासाठीच्या कॉटन कॉन्ट्रॅक्टना सुरुवात केली आणि यासाठी भारतभर वेअरहाऊस सर्व्हिस प्रोव्हायडर (डब्ल्यूएसपी) म्हणून सोहन लाल कमोडिटी मॅनेजमेंट प्रा. लि.कडे (एसएलसीएम) जबाबदारी देण्यात आली आहे. एसएलसीएमचा वेअरहाऊसिंगमधील समृद्ध अनुभव, व्यावसायिक दृष्टिकोन तसेच इनवर्ड कमोडिटीसाठी गुणवत्तेबाबत कठोर प्रक्रिया लक्षात घेत, एमसीएक्सने हा निर्णय घेतला आहे.

अगदी पहिल्या कॉन्ट्रॅक्टपासून इनवर्डला सुरुवात झाली आणि प्रत्येक महिन्याला प्रमाणात वाढ होऊ लागली. सर्व इनवर्डची प्रक्रिया अतिशय व्यावसायिक पद्धतीने करण्यात आली आणि कमोडिटीला योग्य ते महत्त्व देण्यात आले. करार जुना झाला की, अधिकाधिक डिपॉझिटर/ग्राहकांनी सहभागी होण्यास सुरुवात केली व परिणामी एक्स्चेंजमध्ये व्हॉल्यूम व रोखता यामध्ये

लक्षणीय वाढ झाली. गुणवत्ता व प्रमाण अचूक राखण्यासाठी समूहाने कठोर ऑडिटिंग प्रक्रिया राबवली. कमोडिटीची संवेदनशीलता विचारात घेऊन योग्य काळजी घेण्यात आली. इंटर्नल ऑडिटसह नियमित तपासणी घेण्यात आली.

एडलविस कमोडिटीज, भद्रेश ट्रेडिंग, शेठ ब्रदर्स अशा नामवंत पक्षांनी एक्स्चेंजमध्ये मोठ्या प्रमाणात कापूस जमा केला आहे. अशा प्रतिष्ठित

संस्थांचा सहभाग म्हणजे एसएलसीएम समूहासारख्या डब्ल्यूएसपीच्या एकंदर कार्याला दिलेली पसंतीची पावती आहे. ग्राहकांचा पाठिंबा असेल तरच कोणतेही कंत्राट यशस्वी होते, कारण कंत्राट केवळ साठा करणाऱ्यांवर आधारित राहून यशस्वी होऊ शकत नाही. डब्ल्यूएसपीच्या क्रेडिटने, तयाल सन्स, स्पोर्ट्सकिंग,



एलडी कमोडिटीज, रीइन्हार्ट, एएनएस प्रा. लि. अशा अनेक नामवंत स्पिनर्स/ट्रेडर्स एक्स्चेंजकडून डिलिव्हरी घेतात आणि विविध शहरांत डिलिव्हरी दिल्या जात असलेल्या दर्जेदार कापसाबाबत समाधानी

आहेत. सध्याच्या हंगामात एकूण १.६० लाखांहून अधिक बेल्सचा साठा करण्यात आला. हे प्रमाण गेल्या तीन वर्षांत साठा करण्यात आलेल्या सरासरी १.०८ लाख बेल्सपेक्षा बरेच जास्त आहे. अगोदरच्या

काळाच्या तुलनेत ही वाढ ५० टक्के आहे. कापूस उत्पादक डब्ल्यूएसपीच्या क्षमतांबाबत सकारात्मक असल्याने हे घडले आहे. शक्य त्या चांगल्या पद्धतीने एमसीएक्स कॉटन कॉन्ट्रॅक्टचा भाग बनण्याचा आत्मविश्वास यामुळे कापूस व स्पिनिंग क्षेत्राला मिळाला असून येत्या काळात व्हॉल्यूममध्ये अनेक पटींनी वाढ होण्याची अपेक्षा आहे.

## कपास में ५० फीसदी की वृद्धि

► मुंबई। इस बार कपास में काफी वृद्धि दर्ज हुई है। गत वर्ष की तुलना में यह वृद्धि ५० फीसदी अधिक है। इस बार सोहनलाल कमोडिटी मैनेजमेंट प्रा. लि. (एसएलसीएम) को अखिल भारतीय स्तर पर रूई सीजन के लिए वेयरहाउस सर्विस प्रोवाइडर होने की जिम्मेदारी दी गई थी। वेयरहाउसिंग में एसएलसीएम के अच्छे अनुभव को ध्यान में रखते हुए एमसीएक्स ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी। पहले अनुबंध से ही माल का आना शुरू हो गया और हर महीना बीतने के साथ इसका प्रमाण बढ़ता रहा है। आने वाले सभी माल को त्रुटिहीन पेशेवराना ढंग से लिया गया जिसके कारण अधिक से अधिक डिपॉजिटर्स/ बायर्स ने इसमें भाग लेना शुरू किया। इसके फलस्वरूप एक्सचेंज पर मात्रा और तरलता में भरपूर वृद्धि हुई। इडेलविस कमोडिटीज, भद्रेश ट्रेडिंग, शेठ ब्रदर्स ने बड़े पैमाने पर रूई जमा कराए। इसका श्रेय एसएलसीएम को जाता है। मौजूदा सीजन के दौरान कुल १.६० लाख गांठ रूई डिपॉजिट की गई, जो विगत तीन वर्षों के दौरान औसतन डिपॉजिट १.०८ लाख गांठ की तुलना में बहुत अधिक है।

## એસએલસીએમ કોમોડિટીને વેરહાઉસ જવાબદારી સોંપાઈ

મુંબઈતા. ૧૦

વર્ષ ૨૦૧૪-૧૫ની નવી પાકસીઝન માટે કોટન કોન્ટ્રેક્ટ એમસીએક્સ દ્વારા ઓક્ટોબર ૨૦૧૪માં શરૂ કરાઈ હતી અને સોલન લાલ કોમોડિટી મેનેજમેન્ટ (એસએલસીએમ)ને આ માટે ભારતભરમાં વેરહાઉસ સર્વિસ (ડબલ્યુએસપી) પૂરી પાડવા માટેની જવાબદારી સોંપાઈ હતી. પ્રથમ કોન્ટ્રેક્ટથી જ ઈન્વર્ડ શરૂ થઈ દરેક મહિનો પસાર થવા સાથે વોલ્યુમ વધતું જોવાયું હતું. સુપ દ્વારા કોમોડિટીઝના પ્રમાણ અને ગુણવત્તા બાબતે કડક ઓડિટીંગની પ્રક્રિયાને અનુસરવામાં આવતી હોવાથી આ કોન્ટ્રેક્ટ જેમ જૂનો થતો ગયો એમ વધુને વધુ ડીપોઝિટર્સ/ખરીદદારો સહભાગી થવા લાગ્યા છે. આ સીઝનમાં કુલ ૧.૬૦ લાખ ગાંસડી કોટન જમા થયું છે, જે પાછલા ત્રણ વર્ષમાં સરેરાશ જમા થયેલા કોટનની તુલનાએ ૧.૦૮ લાખ ગાંસડી વધુ છે.

# भारतात कापसाच्या उलाढालीला चालना

**मुंबई :** एमसीएक्सने ऑक्टोबर २०१४ मध्ये २०१४-१५ या नव्या पीक हंगामासाठीच्या कॉटन कॉन्ट्रॅक्टना सुरुवात केली आणि यासाठी भारतभर वेअरहाऊस सर्किस प्रोव्हायडर (डब्ल्यूएसपी) म्हणून सोहनलाल कमोडिटी मॅनेजमेंट प्रा. लि.कडे (एसएलसीएम) जबाबदारी देण्यात आली आहे. एसएलसीएमचा वेअरहाऊसिंगमधील समृद्ध अनुभव, व्यावसायिक दृष्टिकोन तसेच इनवर्ड कमोडिटीसाठी गुणवत्तेबाबत कठोर प्रक्रिया लक्षात घेत एमसीएक्सने हा निर्णय घेतला आहे.

अगदी पहिल्या कॉन्ट्रॅक्टपासून इनवर्डला सुरुवात झाली आणि प्रत्येक महिन्याला प्रमाणात वाढ होऊ लागली. सर्व इनवर्डची प्रक्रिया अतिशय व्यावसायिक पद्धतीने करण्यात आली आणि कमोडिटीला योग्य ते

महत्त्व देण्यात आले. करार जुना झाला की, अधिकाधिक डिपॉझिटर / ग्राहकांनी सहभागी होण्यास सुरुवात केली व परिणामी एक्सचेंजमध्ये व्हॉल्युम व रोखता यामध्ये लक्षणीय वाढ झाली. गुणवत्ता व प्रमाण अचूक राखण्यासाठी समूहाने कठोर ऑडिटिंग प्रक्रिया राबवली. कमोडिटीची संवेदनशीलता विचारात घेऊन योग्य काळजी घेण्यात आली. इंटरनल ऑडिटसह नियमित तपासणी घेण्यात आली. एडलविस कमोडिटीज, भद्रेश ट्रेडिंग, शेठ ब्रदर्स अशा नामवंत पक्षांनी एक्सचेंजमध्ये मोठ्या प्रमाणात कापूस जमा केला आहे.

अशा प्रतिष्ठित संस्थांचा सहभाग म्हणजे एसएलसीएम समूहासारख्या डब्ल्यूएसपीच्या एकंदर कार्याला दिलेली पसंतीची पावती आहे.

ग्राहकांचा पाठिंबा असेल तरच कोणतेही कंत्राट यशस्वी होते, कारण कंत्राट केवळ



साठा करणाऱ्यांवर आधारित राहून यशस्वी होऊ शकत नाही. डब्ल्यूएसपीच्या क्रेडिटने, तयाल सन्स, स्पोर्ट्सकिंग, एलडी कमोडिटीज,

रीइन्वार्ट, एएनएस प्रा. लि. अशा अनेक नामवंत स्पिनर्स/ट्रेडर्स एक्सचेंजकडून डिलेव्हरी घेतात आणि विविध शहरांत डिलिव्हरी दिल्या जात असलेल्या दर्जेदार कापसाबाबत समाधानी आहेत. सध्याच्या हंगामात एकूण १.६० लाखांहून अधिक बेल्सचा साठा करण्यात आला. हे प्रमाण गेल्या तीन वर्षांत साठा करण्यात आलेल्या सरासरी १.०८ लाख बेल्सपेक्षा बरेच जास्त आहे. अगोदरच्या काळाच्या तुलनेत ही वाढ ५० टक्के आहे. कापूस उत्पादक डब्ल्यूएसपीच्या क्षमतांबाबत सकारात्मक असल्याने हे घडले आहे. शक्य त्या चांगल्या पद्धतीने एमसीएक्स कॉटन कॉन्ट्रॅक्टचा भाग बनण्याचा आत्मविश्वास यामुळे कापूस व स्पिनिंग क्षेत्राला मिळाला असून येत्या काळात व्हॉल्युममध्ये अनेक पटींनी वाढ होण्याची अपेक्षा आहे.

# भारत में कपास की मात्रा बढ़ी

मुंबई । नई फसल सीजन 2014-15 के लिए रुई वायदा की शुरुआत एमसीएक्स द्वारा अक्टूबर, 2014 में किया गया था और सोहनलाल कमोडिटी मैनेजमेंट प्रा. लि. (एसएलसीएम) को अखिल भारतीय स्तर पर इसके लिए वेयरहाउस सर्विस प्रोवाइडर (डब्ल्यूएसपी) होने की जिम्मेदारी दी गई थी ।

वेयरहाउसिंग में एसएलसीएम के अच्छे अनुभवों और साथ ही इसके प्रोफेशनल अभिगम और आने वाली कमोडिटी की निश्चित गुणवत्ता के लिए कठोर प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए एमसीएक्स ने यह जिम्मेदारी सौंपी थी । पहले अनुबंध से ही माल का आना शुरू हो गया और हर

महीना बीतने से साथ इसका प्रमाण बढ़ता रहा है । विख्यात पार्टियों जैसे कि इडेलविस कमोडिटीज भद्रेश ट्रेडिंग, शेठ ब्रदर्स ने एक्सचेंज प्लेटफार्म पर अच्छे प्रमाण में रुई जमा कराए ।

मौजूदा सीजन के दौरान कुल 1.60 लाख गांठ रुई डिपोजिट की गई, जो विगत

तीन वर्षों के दौरान औसतन डिपोजिट 1.08 लाख गांठ की तुलना में बहुत अधिक है, दूसरे शब्दों में यह पूर्व वर्ष की तुलना में 50 प्र.श. की जबरदस्त वृद्धि दर्शाता है । इसके परिणामस्वरूप कपास उत्पादक किसान डब्ल्यूएसपी की क्षमताओं के लिए शाबासी दे रहे हैं ।